विषय– संस्कृत
(कक्षा–9)

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक् विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

संस्कृत गद्य भारती–

1– पर्यावरणशुद्धिः।
2– अन्तरिक्षं विज्ञानम्।

संस्कृत पद्य पीयूषम्–

1– सुभाषितानि।
2– अन्योक्ति–मौक्तिकानि।
3– क्रियाकारक–कुतूहलम्।
4– यक्षयुधिष्ठिरसंलापः।
5– आरोग्यसाधनानि।

कथा नाटक कौमुदी–

1– वत्सराजनिग्रहः।
2– न गङ्गदत्तः पुनरेति कूपम्।
3– शकुन्तलायाः पतिगृहगमनम्।

व्याकरण–

स्वर सन्धि– वृद्धिरेचि, एचोऽयवायावः।
व्यंजन सन्धि– झलां जषोन्ते, ष्टुना ष्टुः।
नपुंसक लिंग– सर्व, तद्, युष्मद, अस्मद्।
धातुरूप– आत्मनेपद, उभयपद (पूरा हटाया गया)
समास– कर्मधारय।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

विषय–संस्कृत
कक्षा–IX

एक प्रश्न–पत्र 70 अंकों का तथा समय 03 घण्टे होगा।

इस विषय में 70 अंकों की लिखित परीक्षा होगी तथा 30 अंकों का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न–पत्र में वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का भी उल्लेख होगा तथा उसके उत्तर के रूप में तीन या चार उत्तर प्रश्न–पत्र में अंकित होंगे। उनमें से एक शुद्ध उत्तर होगा। उसका उल्लेख पुस्तिका में छात्र को अंकित करना होगा तथा उनका अंक विभाजन निम्नवत् होगा–

खण्ड 'क' (गद्य, पद्य तथा आशुपाठ)	**35 अंक**
गद्य	**11 अंक**
1–गद्यांश का हिन्दी में अनुवाद	4 अंक
2–पाठ सारांश (अधिकतम 80 शब्द)	4 अंक
3–बहुविकल्पीय प्रश्न	1X3=3 अंक
पद्य	**15 अंक**
1–श्लोक की हिन्दी में व्याख्या	4 अंक
2–सूक्तियों की व्याख्या	3 अंक
3–श्लोक का संस्कृत में अर्थ	4 अंक
4–बहुविकल्पीय प्रश्न	1X4=4 अंक
आशुपाठ–	**9 अंक**
1–पात्रों का चरित्र–चित्रण (हिन्दी में)	6 अंक
2– बहुविकल्पीय प्रश्न	1X3=3 अंक

खण्ड 'ख' (व्याकरण, अनुवाद, रचना) **35 अंक**

व्याकरण–

1–माहेश्वर सूत्रों के आधार पर स्वर एवं व्यंजन का सामान्य ज्ञान तथा स्वर एवं व्यंजन का सामान्य परिचय। 3 अंक

2–संधि– 3 अंक

1–स्वर संधि– अकःसवर्णे दीर्घः , आद्गुणः, इकोयणचि।

2–व्यंजन संधि– स्तोः श्चुना श्चुः।

3–शब्द रूप 03 अंक

पुंलिङ्ग–राम, हरि, गुरु।

स्त्रीलिङ्ग–रमा, मति, वाच्।

1 से 10 तक के संख्या शब्दों का ज्ञान।

4–धातुरूप– (लट्, लृट, लोट्, लङ्, तथा विधिलिङ् लकारो में)– 03 अंक

परस्मैपद–पठ्, गम्, अस्, शक्, प्रच्छ्।

5–समास—समास की सामान्य परिभाषा एवं विग्रह सहित उदाहरण– 03 अंक

तत्पुरुष, द्वन्द्व।

6–कारक–समस्त कारकों एवं विभक्तियों का सामान्य परिचय। 03 अंक

7–उपसर्ग का सामान्य परिचय। 02 अंक

अनुवाद–

हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद। 06 अंक

रचना–

1–पत्रलेखन। 05 अंक

2–संस्कृत शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग। 04 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें–

निम्नलिखित पाठ्य–पुस्तकों के सम्मुख अंकित पाठ्यवस्तु (माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित अंश/पाठ का अध्ययन करना होगा)

संस्कृत गद्य भारती–

संस्कृत गद्य साहित्य का विकास

माङ्गलिकम्।

1–अस्माकं राष्ट्रियप्रतीकानि।

2–आदिकविः बाल्मीकिः।

3–बंधुत्वस्य सन्देष्टा रविदासः।

4–आजादः चन्द्रशेखरः।

5–भारतवर्षम्।

6–परमवीरः अब्दुलहमीदः।

7–पुण्यसलिला गङ्गा।

8– भारतीयसंविधानस्य निर्माता डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकरः।

संस्कृत पद्य पीयूषम्–

मंगलाचरणम्।

1–रामस्य पितृभक्ति।

2–भारतदेषः

3–नारी–महिमा।

4–नीतिनवनीतम्।

परिशिष्ट (टिप्पणी एवं पाठ सारांश)

कथा नाटक कौमुदी–

1–गार्गीयाज्ञवल्क्यसंवादः।

संस्कृत व्याकरण–

1–माहेश्वर सूत्र एवं वर्णों का उच्चारण स्थान।

2–सन्धि––स्वर एवं व्यंजन सन्धियों का परिचय।
3–समास।
तत्पुरुष, द्वन्द्व।
4–कारक एवं विभक्ति।
5–अनुवाद।
1–सामान्य नियमों सहित अभ्यास।
2–कारक एवं विभक्ति ज्ञान।
3–अनुवाद अभ्यास।
6–अव्यय।
7–उपसर्ग।
8–शब्दरूप ।
संज्ञा के रूप।
9–धातुरूप–
परस्मैपद धातुओं के रूप।
10–संस्कृत पदों का वाक्यों में प्रयोग।
11–संस्कृतवाक्यशुद्धि।
12–संस्कृत में आवेदन–पत्र तथा निमंत्रण–पत्र।

आन्तरिक मूल्यांकन– **अंक 30**

शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक दो माह में– (अन्तिम सप्ताह में)
प्रथम– अंक 10– वाचन (वाद–विवाद, भाषण, विचाराभिव्यक्ति आदि)
द्वितीय– अंक 10 – (व्याकरण सम्बन्धी)
तृतीय– अंक 10–सृजनात्मक (नाटक, कहानी, अभिव्यक्ति पत्र लेखन, आदि)